बीईसीसी-105

कला स्नातक (अर्थशास्त्र ऑनर्स) कार्यक्रम
(बी.ए.ई.सी.एच.)

सत्रीय कार्य-2024-25
जुलाई 2024 और जनवरी 2025 प्रवेश सत्र हेतु

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–105
पाठ्यक्रम शीर्षक : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

अर्थशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.सी.सी.–105 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.–105 मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्यम श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। ये प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन; कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

आपको सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास निम्नलिखित समय-सीमा के भीतर जमा करना होगा–

(i) 31 मार्च, 2025 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जुलाई 2024 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

(ii) 30 सितंबर, 2025 तक उन सभी विद्यार्थियों को जिनका प्रवेश जनवरी 2025 शैक्षणिक सत्र में हुआ है।

जमा कराये गये सत्रीय कार्य की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेगें। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिशचित कर लें कि :
   - क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
   - ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
   - ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हैं।

3) **प्रस्तुतीकरण :** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,

बी.ई.सी.सी.–105 : मध्यवर्ती व्यष्टि अर्थशास्त्र-I

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः बी.ई.सी.सी.–105

सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी.(टी.एम.ए.)/2024-25

पूर्णांक : 100

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। गणितीय प्रश्नों के संबंध में शब्द सीमा लागू नहीं होगी। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2x 20=40**

1. क) रेखाचित्र का प्रयोग कर घटिया वस्तु के मामले में कीमत प्रभाव को स्लटस्की के स्थानपित्त प्रभाव एवं आय प्रभाव में विभक्त करें।

   ख) जोखिम अपवर्तन (risk aversion)तथा जोखिम तटस्थता (risk neutrality) के बीच अंतर बतायें। जोखिम को कम करने में बीमा किस प्रकार से मदद करता है? उदाहरण देकर समझायें।

2. क) समोत्पाद वक्र क्या है? समोत्पाद वक्र की विशेषताओं की व्याख्या करें। आप उत्पादन के आर्थिक क्षेत्र को किस प्रकार परिभाषित करते हैं? रेखाचित्र की मदद से व्याख्या करें।

   ख) निम्नलिखित माँग फलन का प्रतिनिधित्व करने वाली x वस्तु के बाजार पर विचार करें:

   q=125-20P

   x की कीमत रू 5 दिये जाने पर

   क) उपभोक्ता की प्रारंभिक बचत का आकलन करें

   ख) यदि x वस्तु की कीमत गिरकर 1 रू हो जाती है तो इसका उपभोक्ता की बचत में क्या परिवर्तन होगा?

   ग) कीमत मे गिरावट के फलस्वरूप उपभोक्ता के मूल में वृद्धि (gain) जो पुरानी कीमत रू 5 पर वस्तु को खरीद सका का आकलन करें (अर्थात् पुराने क्रेता के मूल में वृद्धि का आकलन), साथ ही वस्तु x के नये क्रेता के मूल में वृद्धि का आकलन जो x वस्तु को घटी हुई कीमत रू 1 पर खरीदता है।

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3x 10=30**

3. **निम्नलिखित कौब डगलस उपयोगिता फलन पर विचार करें:**

$U(x_1, x_2) = x_1^2 x_2^2$

$P_1 = 10, \quad P_2 = 5$

i) x_1, तथा x_2 वस्तु के उपयोग के अनुकूलतम चयन का निर्धारण करें।

ii) अप्रत्यक्ष उपयोगिता फलन की अभिव्यक्ति का उल्लेख करें।

4. लागत न्यूनतमीकरण का क्या अर्थ है? व्याख्या करें कि एक युक्तियुक्त उत्पादक समोत्पादक एवं समलागत रेखा का प्रयोग कर किस प्रकार अपने लाभ को अधिकतम करता है?

5. कल्याणकारी अर्थशास्त्र के दो आधारभूत प्रमेयों की व्याख्या करें।

सत्रीय कार्य-3

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5x 6=30**

6. अधिमानों की तीन महत्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख करें। अधिमानों को कब 'सुव्यवहारित' कहा जाता है?

7. यदि उत्पादन फलन इस प्रकार हैः

Q=$10\sqrt{2}$ K , तो इस उत्पादन फलन के आधार पर

i) श्रम के प्रति (with respect to labour) उत्पाद की लोच का आंकलन करें।

ii) पूंजी के प्रति (with respect to capital) उत्पाद की लोच का आंकलन करें।

iii) उपरोक्त उत्पाद फलन से किस प्रकार के प्रतिफलन की अवस्था व्यक्त होती है?

8. पूर्ण प्रतियोगिता के तहत लाभ के अधिकतम करने को कौन से दो दृष्टिकोण हैं? यदि

TR=400q-2q^2 तथा TC=1800+50q=3q^2 तो फर्म के लिए अधिकतम लाभ प्रदान करने वाले उत्पादन स्तर का आकलन करें।

9. वालरसियन संतुलन क्या है? व्याख्या करें कि किस प्रकार गैर प्रतियोगी संतुलन अदक्ष होता है?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त नोट लिखें –

i) क्षतिपूरक विचरण (compensating variation)

ii) निश्चयात्मक सम (certainity equivalent)

iii) श्रम सघन तकनीकी प्रगति

iv) सीईएस उत्पादन फलन (CES production function)